

न्यायालय उप जिला कलेक्टर टोडाभीम

क्र.सं.

फर्द अहकाम

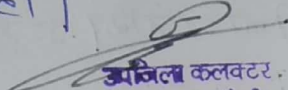
सु.नं 48/17 तारीख रजु 2-6-17

उत्पान - रामस्वरूप बनाम तहसीलदार

दावा बाबत इन्ड्रोज ड्रुस्ती व घोषणा खोतदारी

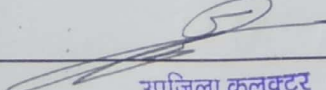
वादी की ओर से सुरेश चन्द शर्मा एडवोकेट ने दावा बाबत इन्ड्रोज ड्रुस्ती, घोषणा खोतदारी पेश किया / अभा बन्दी व शपथपत्र का अवलोकन किया गया / दावा दर्ज रजिस्टर कर प्रतिवादी को जरिये सम्मत से तलव कर दिनांक 23-6-17 को पेश हो।

1961-62
2-6-17



उपजिला कलेक्टर
टोडाभीम (करौली)

23.6.17

पत्रावली राजस्व लोक अदालत - याच आपके द्वार कैंप जोरड) में पेश हुई। वादी वकील उपस्थित। पैरोका (सदका उप.) जब पेश किया कि गुम जोरड) की जमाबंदी सं. 2070-73 के खाना सं. 188 में दर्ज खोतदारी रामसहाय 510 किशनलाल दर्ज है साकि जमाबंदी सं. 2030-33 के खाना संख्या 25 में वादी के पिता प्रकाम किशनलाल 510 श्योरान-दर्ज है किशनलाल की विरासत के बाद नामा सं. 185 से मृतक किशनलाल के बजाय वारिसान रामबबू जगन रामसरूप पि. किशनलाल का नोट अंकित है जो सही है किन्तु जमाबंदी सं. 2034-37 के खाना संख्या 30 पर अमल कते सप्रप सखन से खोतदा रामसरूप के बजाय रामसहाय दर्ज कर दिधा जो अमलत है। वादी के दस्तावेजों के अनुसार उसका नाम रामस्वरूप है जो


उपजिला कलेक्टर
टोडाभीम (करौली)

न्यायालय उप जिला कलेक्टर टोडाभीम

दिनांक	फर्द अहकाम
	<p>सही ही मजमे साम में भी जांच की गई। वादी का सही नाम रामस्वरूप S/O किशनलाल ही बताया है इसलिए वादी का सही नाम रामस्वरूप दर्ज करने की इतिशंका की है।</p> <p>वादी वकील को सुना गया। रिपोर्ट एवं जबब सरका का प्रवलोकन किया। वादी का नाम रामसहाय S/O किशनलाल के स्थान पर रामस्वरूप S/O किशनलाल दर्ज कराया जाना सही है यह प्रमाण घोषणा खानेदारी का न होकर इन्डाज दुकली की भेजी के अन्तर्गत आता है इस इन्डाज दुकली के तहत आदेश जारी हो। पत्रावली फेलत शुभा होकर नभल से काम होकर दाखिल दफतर हो।</p> <p>निर्णय आज दिनांक 23.6.17 को खुले न्यायालय में लिखाया जाकर सुनाया गया।</p> <p style="text-align: right;">  (जगदीश आर्य) उपजिला कलेक्टर टोडाभीम (करौली) </p>